

५. (अ) गणित का जादू



१. सर्वप्रथम तुम अपने घर के किसी मोबाइल नंबर का अंतिम अंक लो ।
२. अब उस अंक को दो से गुणा करो ।
३. प्राप्त उत्तर में पाँच जोड़ो ।
४. इस योगफल में पचास से गुणा करो ।
५. प्राप्त उत्तर में १७६६ मिलाओ ।
६. इस योगफल में से अपना जन्म वर्ष (सन) घटाओ ।
७. प्राप्त उत्तर तीन अंकी संख्या होगा । इसमें प्राप्त पहला अंक मोबाइल नंबर का अंतिम अंक होगा । शेष दो अंक तुम्हारी पूर्ण उम्र बताते हैं ।



(ब) पहेली



१. एक नारि ने अचरज किया । साँप मारि पिंजरे में दिया ।
ज्यों-ज्यों साँप ताल को खाए । ताल सूखे साँप मर जाए ॥
२. एक थाल मोती से भरा । सबके सिर पर औँधा धरा ।
चारों ओर वह थाली फिरै । मोती उससे एक न गिरै ॥
३. बाला था जब सबको भाया, बड़ा हुआ कछु काम न आया ।
खुसरो कह दिया उसका नाँव । अर्थ करो नाहिं छोड़ो गाँव ॥
४. अरथ तो इसका बूझेगा । मुँह देखो तो सूझेगा ॥
५. खड़ा भी लोटा पड़ा भी लोटा, है बैठा और कहे लोटा ।
खुसरो कहे समझ का टोटा ॥
६. आदि कटे से सबको पारे । मध्य कटे से सबको मारे ।
अंत कटे से सबको मीठा । खुसरो वाको आँखों दीठा ॥

[सहायक '12' '10' '10' '10' '10' '10' '10' '10' '10' '10']








- पहेलियाँ बुझवाएँ । अन्य पहेलियों का संकलन कराएँ । एक से सौ तक के अंकों का उल्टे क्रम में लेखन कराएँ । पाव, सवा, डेढ़, आधा आदि का प्रयोग करवाएँ । शालेय विषयों से संबंधित अन्य पूरक कृतियाँ करवाएँ । मंच पर पहेलियाँ प्रस्तुत करने के लिए कहें ।

● सुनो, समझो और पढ़ो :

(स) अचंभा

- अनिल चतुर्वेदी

प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि ने बच्चों की उत्सुकता, उनकी प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति और प्रकृति की विविधता को दर्शाया है।

हर चीज में अचंभा, हर बात पर हैरानी
 पूछे है बातें न्यारी, नन्ही-सी गुड़िया रानी ।
 तितली के सुंदर पंखों पर
 रंग किसने बिखराए,
 चाँद को शीतलता दी किसने
 सूरज को कौन तपाए ?
 यहाँ-वहाँ आवारा घूमे
 हवा नजर नहीं आती
 कुहू-कुहू करके कोयल रानी
 किसको गीत सुनाती ?
 कौन भर गया चुपके-से मेघों के मुँह में पानी
 पूछे है बातें न्यारी, नन्ही-सी गुड़िया रानी ।
 फूलों में किसने है छिड़की
 खुशबू भीनी-भीनी !
 क्यूँ करता रहता है कौआ
 सब पर नुक्ताचीनी ?
 इंद्रधनुष में क्यूँ नहीं होते
 रंग सात से ज्यादा,
 कभी-कभी क्यूँ आसमान में
 चंदा दिखता आधा
 मैडम कहती सिर न खपाओ, बंद करो शैतानी
 पूछे है बातें, न्यारी, नन्ही-सी गुड़िया रानी ।

□ उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता का पाठ करें और विद्यार्थियों से सामूहिक साभिनय पाठ कराएँ। कविता में आए प्रसंगों का नाट्यीकरण कराएँ। शब्दयुग्मों की सूची बनवाएँ। विद्यार्थियों को काल्पनिक प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें।